# Mr. Humji Bhura, Farmer from Jhayda Village, Jhabua, Madhya Pradesh Rewarded

Mr. Humji Bhura from Jhayda Village, Jhabua District, Madhya Pradesh was rewarded at National level and received Rs. 10,000 cheque from Director, National Bureau of Animal Genetic Resource, Karnal for Kadaknath (a rare variety of chick) rearing under National Agriculture Innovation Project (NAIP) 10th March, 2013.

***Kadaknath*** is a rare variety of chick which is found in Jhabhua and Dhar districts of Madhya Pradesh, and few places in Gujarat and Rajasthan. This unique but most famous black meat chicken (B.M.C) breed is also called Kalamasi meaning the fowl having black flesh. Bhil and Bhilala Adiwasis living in Jhabua district of Western Madhya Pradesh are rearing this bird. The commonly available varieties of Kadaknath are Jet-black Pencilled and Golden found in Jhabua. The bird is very popular among the adiwasis mainly due to its special capabilities such as adaptability to local environmental, disease-resistant, meat quality, texture and flavor. Now, its meat is being favored by more and more consumers due to its medicinal values and low cholesterol properties.

Mr. Humji Bhura receiving reward by Director, National Bureau of Animal Genetic Resource, Karnal for Kadaknath rearing under NAIP

*News clipping of the Event as appeared in Dainik Bhaskar dated 13 March, 2013*

दैनिक भास्कर

इंदौर, बुधवार 13 मार्च, 2013

न्यूज़ इनबॉक्स

# कड़कनाथ पालक हरियाणा में पुरस्कृत

हुमजी को प्रशस्ति पत्र व चेक देकर सम्मानित किया गया।

झाबुआ। कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत चल रही राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना के ग्राम झायड़ा के कड़कनाथ पालक किसान को हरियाणा में पुरस्कार मिला है। किसान हुमजी पिता भूरा को इस वर्ष मुर्गी की देशी नस्ल (कड़कनाथ) बचाव का राष्ट्रीय पुरस्कार राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल (हरियाणा) में दिया गया। हुमजी को प्रशस्ति पत्र और 10 हजार रुपए का चेक ब्यूरो करनाल के निदेशक तथा सेवा संस्थान मदुरै (तमिलनाडु) के निदेशक ने भेंट किया। उल्लेखनीय है जिले के ग्राम झायड़ा, नेगड़िया एवं मेहंदीखेड़ा में राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना अंतर्गत केवीके के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आईएस तोमर सहित केंद्र के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में कड़कनाथ मुर्गी का वैज्ञानिक व आधुनिक तकनीक से पालन करना सिखाया गया। केंद्र के वैज्ञानिकों की देखरेख में कड़कनाथ मुर्गीपालन कर कृषकों ने इन्हें बेचकर अच्छी आय अर्जित की।